3 राजधानी
मुख्यमंत्री की सुरक्षा में बड़ी चूक

8 अभिमत
बढ़ती भाजपा पिछड़ता विपक्ष

13 कारोबार
आर्थिक एकीकरण का लाभ सभी को मिले

16 कॅरियर
व्यापार में चुनें तार्किक राह

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 7 अंक 185
लखनऊ, सोमवार, 24 अप्रैल, 2017
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित
पायनियर

सचिन तेंदुलकर का जन्मदिन मनाएगी मुंबई इंडियंस की टीम
स्पोर्ट्स-14

जल, वन व धरती पर संगोष्ठी का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रविवार को इन्स्टीटयूशन आफ इन्जीनियर्स की उत्तर प्रदेश शाखा में प्रथम बार हिन्दी भाषा में जल वन एवं धरती: चुनौतियां विषय पर एक भव्य संगोष्ठी का आयोजन प्रदेश सेंटर पर किया गया। इसकी अध्यक्षता इं. वीबी सिंह कौंसिल सदस्य एवं अध्यक्ष, अखिल भारतीय क्षेत्रीय भाषा समिति, दि इन्स्टीटयूशन आफ इन्जीनियर्स (इंडिया), ने की।

सिंह ने कहा कि आज की ज्वलन्त समस्याओं पर जन सामान्य तक जा कर वस्तु स्थिति को बताया जाए तथा जल, वन तथा धरती के प्रति हो रहे अन्याय और तदनुरूप आवश्यक युक्तियों पर ध्यान आकृष्ट किया जाए। यदि हम अब भी चूक गये तो भूल सुधार सम्भव न होगा। उन्होंने उपस्थित सदस्यों का आह्वान भी किया कि जन सामान्य से जुडी समस्यों के विषय में क्षेत्रीय भाषों में भी आवश्यक संगोष्ठियां होनी चाहिए एवं उनकी संस्तुतियां शासन सामाचार पत्र एवं अन्य शाखाओं में भेजी जानी चाहिए। जिससे इन्स्टीटयूशन के इस निर्णय से यथोचित लाभ मिले। श्री मोहम्मद अहसन पूर्व मुख्य वन संरक्षक, उत्तर प्रदेश ने अपने मुख्य संबोधन में वन की परिभाषा कारक, उप्र में वन के प्रकार, वनों से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष

● इं भरत राज सिंह, अध्यक्ष, इन्स्टीट्यूशन आफ इन्जीनियर्स उत्तर प्रदेश सेंटर ने अतिथियों एवं सदस्यों का स्वागत किया

लाभ पर अपने विचार व्यक्त करते हुए वन सुरक्षा, वन के घनत्व एवं हरीतिमा संवर्धन पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व में बहुत गल्तियां की गई। पेड़ काटना जल की बर्बादी वन्य जीवों को मारना एक खेल बना लिया गया था। अब स्थिति कुछ ठीक हो रही है परन्तु कार्य अभी बहुत हैं।

इं भरत राज सिंह, अध्यक्ष, इन्स्टीट्यूशन आफ इन्जीनियर्स उत्तर प्रदेश सेंटर ने अतिथियों एवं सदस्यों का स्वागत किया तथा आह्वान किया कि हमें वास्तविक रूप से घटते जल स्त्रोत, खराब होती धरती तथा काटे गये वनों को पुन: उचित स्तर तक स्थापित करना होगा अन्यथा भविष्य दुष्कर होगा। प्रो. जमाल नुसरत, संयोजक सेमिनार ने सदस्यों एवं मीडिया से कहा कि जल, वन एवं धरती के प्रति अनाचार को रोकने के लिए समुचित जानकारी दी जानी चाहिए। आवश्यक नीतियों का पालन सुनिश्चित हो। उन्होंने दुख: व्यक्त किया कि अनावश्यक विषयों को प्राथमिकता है परन्तु प्रत्येक भारतीय से जिन समस्याओं का सरोकार है उन पर वरीयता कम है। सुधार के प्रति निवेदन भी किया। तीन सत्रों में सम्पन्न एव दिवसीय इस संगोष्ठी में इं. रवीन्द्र कुमार, जल एवं धरती विशेषज्ञ, सलाहकार विश्व बैंक परियोजनाएं इं. रमाकान्त आर्या, जल विशेषज्ञ, विश्वनाथ खेमका, जल विशेषज्ञ, गंगा को प्रदूषण मुक्त करने जैसी योजनाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ता एवं इं. ए.के. सिंह पूर्व मुख्य अधि0, उप्र पावर कार्पोरेशन लि. सम्प्रति समाजिक जागरूकता के प्रति सक्रिय कार्यकर्ता ने भी बहुमूल्य जानकारी सदस्यों को उपलब्ध कराई।

अन्त में प्रश्न सत्र में सदस्यों ने अपनी शंकाओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान विशेषज्ञों से किया एवं बहुमूल्य जानकारियॉ प्राप्त की। समापन सत्र में संस्तुतियों का आकलन करते हुए संस्तुतियों को राज्य एवं देश के जिम्मेदार अधिकारियों को प्रेषित करने का निर्णय लिया गया। इं. आर. के. त्रिवेदी, मानद सचिव ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया कि उनके कारण ही देश में क्षेत्रीय भाषाओं की प्रथम संगोष्ठी सफलीभूत हुई तथा धन्यवाद ज्ञापित किया।